Stories in Hindi

नीले सियार की कहानी The Blue Jackal Story In Hindi From Panchatantra

नीले सियार की कहानी The Blue Jackal Story In Hindi.

एक समय की बात है जंगल में बहुत तेज तूफान आया। उस तूफान से बचने के लिए एक सियार बड़े से पेड़ के नीचे जाकर छुप गया। हवा तेज चल रही थी जिसकी वजह से पेड़ की एक टहनी हिलते-हिलते टूट गई। वह टूटी हूई टहनी सियार के सिर पर जा गिरा। उस टहनी की वजह से सियार के सर पर चोट लगी। डर के मारे वह सियार अपनी गुफा में चला गया।

सियार घायल था और इस वजह से वह शिकार भी नहीं कर पा रहा था। शिकार ना करने की वजह से वह सियार भूखा रहने लगा और समय के साथ-साथ कमजोर हो रहा था। एक दिन उसे तेज की भूख लगी और अपनी भूख को खत्म करने के लिए वह शिकार के लिए निकल पड़ा। वह जंगल की ओर निकला और चलते-चलते उसे एक हिरण दिखाई दिया।

हिरण को देखकर सियार उसका शिकार करना चाहता था। वह उसका पीछा करता रहा लेकिन सियार जल्दी थक गया क्योंकि उसका शरीर अभी भी कमजोर था। इस वजह से वह हिरण का शिकार नहीं कर पाया। सियार ने सोचा कि इस कमजोर शरीर को लेकर वह किसी जानवर का शिकार नहीं कर सकता। इस वजह से उसने जंगल से निकलकर गांव की ओर जाने का सोचा क्योंकि उसे वहां कोई बकरी या मुर्गी मिल जाती। जिसे खाकर वह कुछ वक्त के लिए अपनी भूख मिटा सकता था।

वह गांव की ओर चला गया। गांव के अंदर घुसते ही उसने देखा कि कुछ कुत्ते झुंड में उसकी ओर आ रहे थे। उन कुत्तों से बचने के लिए वह सियार धोबियों के इलाके में घुस गया। अभी भी कुत्ते उसका पीछा कर रहे थे। उन कुत्तों से बचने के लिए वह सियार छुपने की जगह ढूंढता रहा। तभी उसे एक टंकी मिली और वह उस टंकी के अंदर कूद गया। उस टंकी के अंदर धोबियों ने नील घोलकर रखा था। इसकी वजह से उस सियार का शरीर पूरा नीला रंग का हो गया था।

वह सियार उस टंकी में रात भर रहा। जब वे कुत्ते उस सियार को नहीं ढूंढ पाए तब वे वहां से चले गए। कुत्तों के जाने के बाद वह सियार उस टंकी से निकला। टंकी से निकलकर उसने देखा कि उसका शरीर नीला हो चुका है। अपने नीले शरीर को देखकर उस सियार को एक तरकीब सूझी और वह सीधा जंगल की ओर चला गया।

Stories in Hindi

जंगल में जाकर उसने सारे जानवरों के सामने एलान किया कि वह एक ऐसा जानवर है जिसे भगवान ने भेजा है। सारे जानवर सियार के पास पहुंचे। सारे जानवरों के आ जाने के बाद सियार ने सबसे कहा, “क्या तुमने कभी किसी नीले जानवर को देखा है?”

सब ने जवाब दिया, “नहीं।”

“मैं एक ऐसा जानवर हूं जिसे ऊपर वाले ने भेजा है। मुझे भगवान ने जंगल में राज करने के लिए भेजा है और उन्होंने मुझसे कहा है कि मैं तुम सबका मार्गदर्शन करू। सारे जानवर सियार की बातों में आ गए और वे सब उसे अपना राजा मानने लगे।

सियार के सामने एक समस्या थी कि उस जंगल में और भी सियार थे। उसे इस बात का डर था कि वे सियार उसे पहचान जाएंगे। इसके लिए उसने जंगल के सारे जानवरों से कहा, “हमें जंगल से सारे सियार को यहां से भगाना पड़ेगा। यह भगवान का आदेश है उन्होंने मुझसे कहा है कि जंगल का संतुलन बनाने के लिए हमें जंगल से सियार को हटाना होगा।”

उसके ऐसा कहने के बाद जंगल के जानवरों ने जंगल के सारे सियार को वहां से खदेड़ कर बाहर कर दिया।

इसके बाद वह सियार अपनी गुफा में चला गया जहां उसकी सेवा जंगल के जानवर किया करते। मोर अपने पंख फैलाकर उसे हवा करती और बंदर उसका पैर दबाते थे।जब कभी उसे भूख लगती थी तो वह जानवर की बलि देने को कह देता था। बलि देने के बाद वह उस जानवर को खा जाता। उसका जीवन बड़े आराम से चल रहा था।

एक दिन रात को उसकी नींद खुली उसे बहुत प्यास लगी थी। अपनी प्यास बुझाने के लिए वह गुफा से निकलकर पास की नदी में चला गया और वहां खड़े होकर पानी पीने लगा। जब वह खड़े होकर पानी पी रहा था तभी दूर से अन्य सियरों की आवाज़ आ रही थी। उन सबकी आवाज सुनकर वह सियार खुद को रोक नहीं सका और वह खुद सियार की आवाज निकाल कर चिल्लाने लगा।

उसकी आवाज को सुनकर आसपास के जानवरों की नींद खुल गई। जानवरों की नींद खुल जाने के बाद उन्होंने देखा कि वह कोई अन्य जानवर नहीं बल्कि एक सियार है जो उन्हें बेवकूफ बना रहा था। यह सब जानकर सारे जानवर गुस्से में आकर उस सियार को मार दिए।

Stories in Hindi

Moral of The Blue Jackal Story In Hindi

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमारा झूठ कभी ना कभी पकडा जा सकता है। झूठ सबके सामने आ ही जाता है। हम किसी को लगातार बेवकुफ नहीं बना सकते। **नीले सियार की कहानी The Blue Jackal Story In Hindi.**